प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं उनके छात्र को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पंतनगर। १८ जुलाई, २०१६। पंतनगर विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान एवं आनुवांशिकी प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, डा. अनिल कुमार, एवं उनके पीएच.डी. के पूर्व विद्यार्थी, डा. कल्याण बाबू, को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आई.सी.ए.आर.), नई दिल्ली द्वारा दो अलग-अलग पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें १६ जुलाई २०१६ को आई.सी.ए.आर. के ८८वें स्थापना दिवस, कृषक गोष्ठी एवं पुरस्कार समारोह के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री राधा मोहन सिंह, ने विभिन्न केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्रियों, श्री एस.एस. आहलूवालिया, श्री पुरुषोत्तम रुपाला, श्री सुदर्शन भगत एवं परिषद के महानिदेशक, त्रिलोचन महापात्र की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

डा. अनिल कुमार को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण हेतु आई.सी.ए.आर. द्वारा फसल एवं ज्ञान-विज्ञान विषय के अन्तर्गत वर्ष २०१५ हेतु अति प्रतिष्ठित भारतरत्न डा. सी. सुब्रमनियम सर्वोत्तम शिक्षक एवार्ड से सम्मानित किया गया। इस एवार्ड के अन्तर्गत डा. कुमार को प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गयी। इस एवार्ड के अतिरिक्त, वह देश के विभिन्न कृषि संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में जाकर छात्रों एवं संकाय सदस्यों को अपने विशिष्ट व्याख्यानों से लाभान्वित करेंगे। उल्लेखनीय है कि डा. अनिल कुमार को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट शोध एवं शिक्षण कार्यों हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय के २०१५ के डा. एस. राधाकृष्णन बेस्ट टीचर एवार्ड; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, के २०१४; एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, के इन्सा टीचर एवार्ड एवं सर्वोत्तम संकाय सदस्य के रुप में सम्मानित किया जा चुका है। डा. अनिल कुमार ने इन सभी सम्मानों का श्रेय अपने विद्यार्थियों एवं सहयोगियों को दिया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. मंगला राय; कुलसचिव, डा. जे. कुमार; महाविद्यालय की अधिष्ठात्री, डा. उमा मेलकानिया; एवं अन्य अधिष्ठाताओं, निदेशको एवं अध्यापकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के आणविक जीव विज्ञान एवं आनुवांशिकी प्रौद्योगिकी विभाग के पीएच.डी. के विद्यार्थी रहे डा. कल्याण बाबू, जिन्होंने अपना शोध कार्य डा. अनिल कुमार के निर्देशन में किया, को भी जवाहर लाल नेहरु सर्वोत्तम पीएच.डी. शोध ग्रन्थ एवार्ड से इसी समारोह में सम्मानित किया गया। इसके अर्न्तगत डा. कल्याण बाबू को एक प्रशस्ति पत्र, पदक एवं रु० ५०,०००/- की धनराशि समारोह में प्रदान की गयी। डा. बाबू के शोध में रागी में पाये जाने वाले ब्लास्ट रोग एवं गुणवत्ता युक्त प्रोटीन के नये आणविक चिन्हक खोजे गये, जिनका प्रयोग उच्चकोटि की प्रोटीन गुणवत्ता एवं ब्लास्ट प्रतिरोधी रागी की किस्मों का विकास आणविक चिन्हक चयन तकनीक की मदद से किया जा सकता है। डा. कल्याण बाबू ने इस शोध ग्रन्थ से कई शोध पत्र *प्लॉस-वन, मोलीक्यूलर ब्रीडिंग* एवं अन्य अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किये गये हैं। डा. कल्याण बाबू वर्तमान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के आइलपाम शोध इन्स्टीट्यूट, आंध्र प्रदेश, मे वैज्ञानिक के पद पर कार्य कर रहे है। डा. बाबू की इस उपलब्धि पर डा. मंगला राय, कुलपति के साथ-साथ अधिष्ठात्री, डा. उमा मेलकानिया, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने बधाई दी है।

चित्र सं. १: श्री राधा मोहन सिंह, केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं अन्य मंत्रियों से पुरस्कार प्राप्त करते डा. अनिल कुमार।

चित्र सं. २: समारोह में अपने शोध विद्यार्थी, डा. कल्याण बाबू, के साथ डा. अनिल कुमार।